कोरोना वायरस के चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के पहले पांच हफ्तों में कथित तौर 12 लोग पुलिस की बर्बरता का शिकार होकर गंवा बैठे अपनी जान

केंद्रीय विवि भूमि अधिग्रहण में घोटाला की जांच करेगी आर्थिक अपराध इकाई, कई वरीय पदाधिकारी पर लटकी तलवार

सोनू सूद से लोग सिर्फ घर वापस जाने के लिए ही नहीं, कोई दारु के लिए तो कुछ ऐसे भी हैं जो गर्लफ्रेंड को लेकर कर रहे हैं अजीब डिमांड

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने कैच-अप नामक एक और कॉलिंग एप्लीकेशन लॉन्च किया, एक बार में 8 यूजर्स ग्रुप में कर सकते हैं वीडियो कॉल

युवराज
न्यूज़ टुडे
आपकी आवाज़
RNI:- BIHHIN05409
www.newstodayupdate.in
राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 06 अंक : 08+27 तिथि : 27 मई 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाऊन स्पेशल रोजाना अंक

कोरोना वायरस के चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के पहले पांच हफ्तों में कथित तौर 12 लोग पुलिस की बर्बरता का शिकार होकर गंवा बैठे अपनी जान

न्यूज़ टुडे खोज खबर

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

कोरोना वायरस के चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के पहले पांच हफ्तों में कथित तौर 12 लोग पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए और अपनी जान गंवा बैठे. यह दावा एक गैर सरकारी संगठन कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव (सीएचआरआई) की रिपोर्ट में किया गया है. कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव (सीएचआरआई) द्वारा की गई स्टडी में मीडिया रिपोर्टों के आधार पर 25 मार्च (लॉकडाउन के पहले दिन) से 30 अप्रैल तक ऐसी मौतों को ट्रैक किया गया.

रिपोर्ट में दावा किया गया कि सार्वजनिक तौर पर पुलिस द्वारा की गई बर्बरता को ना सह पाने और अपमानित महसूस करने की वजह से 12 लोगों ने आत्महत्या कर ली. स्टडी के अनुसार उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में तीन मौतें हुईं. मध्य प्रदेश में दो मौतें हुईं, जबकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब में एक–एक मौत हुई.

मरने वाले 12 लोगों की पहचान उत्तर प्रदेश के लवकुश, मोहम्मद रिजवान, रोशन लालय मध्य प्रदेश से बंसी कुशवाहा और टिबू मेदा, आंध्र प्रदेश के शेख मोहम्मद गोहाउस, वीरभद्रैया और पेद्दादा श्रीनिवास राव, महाराष्ट्र से सगीर जमील खान, तमिलनाडु के अब्दुल रहीम, पश्चिम बंगाल के लाल स्वामी और पंजाब के भूपिंदर सिंह के तौर पर की गई.

सार्वजनिक रूप से पीटे जाने और अपमान महसूस करने के बाद आत्महत्या

सीएचआरआई की स्टडी में आगे कहा गया है कि भूपिंदर सिंह, पेद्दा श्रीनिवास राव और रोशन लाल ने सार्वजनिक रूप से मारे जाने और अपमान महसूस करने के बाद आत्महत्या की. सीएचआरआई के प्रोग्राम हेड (पुलिस रिफॉर्म्स) देविका प्रसाद ने इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा, ‘मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि लॉकडाउन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई के बाद लोगों की मौत हुई है. इन मौतों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए.’

प्रसाद ने कहा कि सीएचआरआई का मानना है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) इन गंभीर आरोपों की ‘निष्पक्षता और जवाबदेही के लिए प्रभावी तरीके’ से जांच करेगा. उन्होंने कहा ‘यह एक और संकेत है कि अदालत और अन्य एजेंसियों को’ लॉकडाउन लागू करने’ में पुलिस को जवाबदेह रखने की आवश्यकता है.’

रिपोर्ट किए गए 12 मामलों में से दो में, शामिल पुलिस कर्मियों को ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था और मैजिस्ट्रियल जांच का भी आदेश दिया गया था. ये दो मामले बांसी कुशवाहा (मध्य प्रदेश) और शेख मोहम्मद गोशाला (आंध्र प्रदेश) के हैं. स्टडी के अनुसार संबंधित अधिकारियों ने लाल स्वामी, मोहम्मद रिजवान, सगीर जमील खान और टिबू मेदा की मौतों के मामलों में किसी भी पुलिस की पिटाई से इनकार किया है. इसके अलावा, पश्चिम बंगाल से आए लाल स्वामी की मृत्यु के बारे में, पुलिस ने दावा किया कि हृदयाघ ाात के कारण उनकी मृत्यु हो गई क्योंकि वह पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित थे.

हावड़ा के पुलिस आयुक्त ने क्या कहा?

हावड़ा के पुलिस आयुक्त कुणाल अग्रवाल ने मीडिया को बताया कि ‘यह प्रेस द्वारा गलत रिपोर्टिंग का मामला है.’ सीएचआरआई रिपोर्ट के अनुसार इसी तरह उत्तर प्रदेश पुलिस ने इन दावों का भी खंडन किया कि मोहम्मद रिजवान की मौत लॉकडाउन लागू करने के लिए पुलिस की कार्रवाई के कारण हुई थी. अंबेडकरनगर के पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने कहा था, ‘जैसा कि मीडिया में रिपोर्ट में कहा गया है उस परिप्रेक्ष्य में सबूतों के आधार पर ऐसा कहीं नहीं पाया गया कि रिजवान पर डंडों से हमला किया गया था.’

मध्य प्रदेश के मूल निवासी टिबू मेदा की मृत्यु पर जिला कलेक्टर ने मीडिया को बताया, ‘जब उन्होंने ‘पुलिस वाहन को सायरन के साथ’ आते हुए देखा तो उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण चली गई.’ सीएचआरआई ने बताया इस तरह के दावे के बावजूद, मेधा के परिवार को राज्य के अधिकारियों द्वारा 20,000 रुपये का मुआवजा दिया गया था.

महाराष्ट्र पुलिस ने भी खारिज किया दावा

इस बीच महाराष्ट्र पुलिस ने सगीर जमील खान के निधन को ‘आकस्मिक मृत्यु’ के रूप में दर्ज किया. इस मामले पर पीटीआई से बात करते हुए, पुलिस उपायुक्त (क्षेत्र 1) संग्राम सिंह निशंदर ने कहा था कि सगीर जमील खान की मेडिकल रिपोर्ट में मौत का कारण ‘दिल का बढ़ना’ बताया गया है और शरीर पर ‘बाहरी या आंतरिक चोट’’ नहीं थी.’

इन 12 मौतों के अलावा, विभिन्न आरोपों में पकड़े गए तीन लोगों ने भी लॉकडाउन के दौरान पुलिस हिरासत में अपनी जान गंवा दी. वे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से थे. इन तीन मामलों में से दो पीड़ित लॉकडाउन से संबंधित अपराधों के लिए हिरासत में थे. इस बीच सीएचआरआई ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को इन सभी 15 शहरों में गहन जांच शुरू करने के लिए एक याचिका भेजी है.

केंद्रीय विवि भूमि अधिग्रहण में घोटाला की जांच करेगी आर्थिक अपराध इकाई, कई वरीय पदाधिकारी पर लटकी तलवार

घोटाला

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

पूर्वी चंपारण जिला के केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारत नेपाल सीमा पर सड़क परियोजना में भूमि अधिग्रहण में हुए करोड़ो की घोटाला की जांच अब आर्थिक अपराध इकाई पटना करेगा। आर्थिक अपराध इकाई पटना एसपी ने कांड से सम्बंधित सभी संचिकाओ के साथ कांड के अनुसंधानक को आज उपस्थित होने का निर्देश दिया है। आर्थिक अपराध इकाई के जांच शुरू होने की खबर पर कई अधिकारियों की बढ़ी बेचैनी। तत्कालीन एसपी उपेंद्र शर्मा ने घोटाले की जांच के आर्धिक अपराध इकाई को भेजा गया था।

पूर्वी चंपारण जिला में केंद्रीय विश्वविद्यालय भूमि अधिग्रहण व भारत –नेपाल सीमा पर सड़क परियोजना में फर्जी एलपीसी व भूमिधारक बनकर लगभग 6 करोड़ 22 लाख का घोटाला हुआ था। ममला उजागर होने के प्राथमिकी दर्ज होने के दूसरे दिन ही एक अटर्नी के गाड़ी से करोड़ो रुपया नगद भी बरामद हुआ था। मामले को लेकर तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी अजित कुमार द्वारा नगर थाना कांड संख्या 824/18 व 875/18 दर्ज कराया गया था। जिसमे तत्कालीन मोतीहारी सीओ सहित 15 प्रथमिकी व अप्राथमिकी अभियुक्तों पर कांड सत्य पाते हुए करवाई की जा रही है। वही तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी पर रिपोर्ट टू में दिए गए विन्दुओ पर जांच चल रहा है।

कांड के अनुसंधानक अरेराज डीएसपी ज्योति प्रकाश ने मंगलवार को जिला भूअर्जन कार्यालय पहुचकर कई फाइलों की जांच किया गया। वही प्रथमिकी व अप्राथमिकी अभियुक्तों की वर्तमान पता का सत्यापन किया गया। डीएसपी ने बताया कि आर्थिक अपराध इकाई पटना के पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त कांड की संचिका तलब किया गया है।

तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी के प्रथमिकी में नामजद ललन पटेल कांड सत्यापन में निकले जिला के अशोकपकडी गांव के सत्यभूषण तिवारी उर्फ सुमन तिवारी पिता हरिशंकर तिवारी। डीएसपी ने बताया कि 3 करोड़ 17 लाख 40 हजार 800 रुपया फर्जीवाड़ा के नामजद अभ्युक्त ललन पटेल,प्रमोद मिश्र,राजेन्द्र साह, जयकिशन तिवारी, अरबिंद सिंह, निकी तिवारी व गुलशन तिवारी पर कांड सत्य पाया गया है। वही अप्राथमिकी अभ्युक्त भूअर्जन कार्यालय कर्मी शारदानन्द सिंह,राजस्व कर्मचारी उमेश सिंह,रामनाथ पासवान,जटा शंकर सिंह अमीन,फर्जी रैयत सुखदेव साह, नाजिर सुधीर कुमार सिंह व तत्कालीन मोतीहारी सीओ चौधरी बसंत सिंह पर ममला सत्य पाया गया है। वही तत्कालीन जिला भूअर्जन पदाधिकारी पर अभी जांच चल रहा है।

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने कैच-अप नामक एक और कॉलिंग एप्लीकेशन लॉन्च किया, एक बार में 8 यूजर्स ग्रुप में कर सकते हैं वीडियो कॉल

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने कैच–अप नामक एक और कॉलिंग एप्लीकेशन लॉन्च किया है. इस ऐप के जरिए एक बार में 8 यूजर्स ग्रुप में वीडियो कॉल कर सकते हैं. कैचअप ऐप को फेसबुक की नई प्रोडक्ट एक्सपेरीमेंट (एनपीई) टीम ने बनाया है. इस ऐप की खासियत है कि यह यूजर्स को पहले ही जानकारी दे देता है कि अन्य यूजर्स वीडियो कॉल के लिए उपलब्ध हैं या नहीं. साथ ही इस ऐप में लॉग–इन करने के लिए फेसबुक अकाउंट की जरूरत नहीं पड़ती है. इसके अलावा यह ऐप यूजर्स को कॉल्स मर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है.

कैच–अप ऐप को अभी अमेरिका में टेस्ट किया गया है. इसे आईओएस और एंड्रॉयड के लिए लॉन्च किया जा चुका है. नया प्लेटफॉर्म आपके फोन में लिस्टेड मौजूदा कॉन्टैक्ट पर काम करता है और यूजर्स को अलग से फेसबुक अकाउंट की जरूरत नहीं है. वीडियो कॉल करने के लिए यूजर्स को ऐप ओपन करना होगा. इसके बाद क्रिएट कॉल के ऑप्शन पर जाकर अपनी कॉन्टैक्ट लिस्ट में से अन्य यूजर्स को चुनें. उसके बाद क्रिएट कॉल पर क्लिक करके वीडियो कॉल सकते हैं.

एक साथ 8 लोगों को कर सकते हैं वीडियो कॉल

कैच–अप के जरिए एक साथ 8 यूजर्स ग्रुप में वीडियो कॉल कर सकते हैं. यह ऐप यूजर्स को पहले ही जानकारी दे देता है कि अन्य यूजर्स वीडियो कॉल के लिए उपलब्ध हैं या नहीं. इसके अलावा यह ऐप यूजर्स को कॉल्स मर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है.

बता दें कि पिछले महीने फेसबुक ने मैसेंजर ऐप में नया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग फीचर जोड़ा था. मैसेंजर रूम्स से एक साथ 50 लोग से असीमित समय के लिए वीडियो कॉलिंग कर सकेंगे. मैसेंजर रूम्स के इस्तेमाल के लिए फेसबुक अकाउंट होना जरूरी नहीं है. फेसबुक मैसेंजर रूम्स में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इनेबल्ड वर्चुअल बैकग्राउंड होगा. साथ ही इसमें कई वर्चुअल रियलिटी इफेक्ट्स भी मिलेंगे.

राजस्थान और यूपी के बाद अब बिहार में भी आने वाला है टिड्डियों का आतंक

रिंकू गिरी,
संवाददाता

करोना महामारी के चलते पहले ही किसान परेशान हैं और अब ऐसे में बिहार के किसनों के सामने टिड्डी की मुसीबत भी आने वाली है. राजस्थान और यूपी के बाद अब बिहार में भी टिड्डियों का आतंक आने वाला है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि अगले दो दिनों में सूबे में टिड्डियों का हमला हो सकता है. टिड्डियों का ये आतंकी दल राजस्थान पार कर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर चुका है. कृषि वैज्ञानिकों का कहना है अगर उत्तर प्रदेश में इसको इसका कोई उपाय नहीं किया गया तो ये टिड्डी दल दो दिनों में बिहार की सीमा में प्रवेश कर जाएगा.

जल्द होगी एडवाइजरी जारी

दूसरे राज्यों में टिड्डियों ने जो तबाही कि है उसको देखते हुए बिहार में इसको लेकर एडवाइजरी जारी की जाएगी. बिहार में मक्का, सब्जियों, आम और लीची की फसल इस समय खेतों और बागीचे में है ऐसे में इनको सबसे अधिक नुकसान होगा. कृषि विभाग जल्द ही कीट के प्रबंधन को लेकर एडवाइजरी जारी कर देगा ताकि बड़े पैमाने पर बगीचों और खेतों में कीटनाशक का छिड़काव हो सके .

किसान टिड्डी दल को देखते ही दें सूचना

किसानों को टिड्डियों को लेकर अलर्ट रहने को कहा गया है और किसानों को टिड्डियों को देखते ही कृषि विभाग को जानकारी देने को कहा गया है. टिड्डीयां जिस भी फसल पर बैठती हैं उसको पूरी तरह नष्ट कर देती हैं. टिड्डी दल में करोड़ों की संख्या में लगभग दो ढाई इंच लंबे कीट होते है जो कुछ ही घंटे में किसान के खेत को साफ कर देते हैं.

सोनू सूद से लोग सिर्फ घर वापस जाने के लिए ही नहीं, कोई दारू के लिए तो कुछ ऐसे भी हैं जो गर्लफ्रेंड को लेकर कर रहे हैं अजीब डिमांड

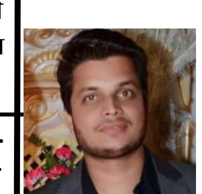

अनुकरणीय पहल

सम्राट, संवाददाता

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद लोगों को राशन–पानी से लेकर प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक वापस पहुंचाने में लगातार मदद कर रहे हैं, वह पिछले कई दिनों से इसी वजह से सुर्खियों में छाए हुए हैं.

कहते हैं कि दुख की घड़ी में जब कोई मदद के हाथ आगे बढ़ाता है, वो धरती पर भगवान के समान होता है. कोरोना की जंग से लड़ने के लिए वैसे तो कई सितारे अपने–अपने अनुसार मदद के हाथ बढ़ा रहे हैं, लेकिन बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद लोगों को राशन–पानी से लेकर प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक वापस पहुंचाने में लगातार मदद कर रहे हैं. वह पिछले कई दिनों से इसी वजह से सुर्खियों में छाए हुए हैं. सोशल मीडिया पर ट्वीट के जरिए लोग उनसे मदद की गुहार लगा रहे हैं और सोनू सूद उन्हें निराश न करते हुए मदद के हाथ आगे बढ़ा रहे हैं. लोग सिर्फ घर वापस जाने के लिए ही नहीं, कोई दारू के लिए तो कुछ ऐसे भी हैं जो गर्लफ्रेंड को लेकर अजीब डिमांड कर रहे हैं.

गर्लफ्रेंड से मिलवाने की फरियाद पर सोनू सूद ने कहा

दरअसल, बिहार के एक लड़के ने सोनू सूद को ट्वीट किया और कहा– ‘सोनू सूद भैया, एक बार गर्लफ्रेंड से मिलवा दीजिए, बिहार ही जाना है.’ सोनू ने इस शख्स के ट्वीट को भी नजरअंदाज नहीं किया और बहुत ही मजेदार जवाब देते हुए कहा है– ‘थोड़े दिन दूर रह के देख ले भाई .. सच्चे प्यार की परीक्षा भी हो जाएगी. ’ इसके साथ उन्होंने हंसने वाली इमोजी भी बनाई है.

भाई मैं ठेके से घर तक तो पहुँचा सकता हूँ, जरूरत पड़े तो बोल देना

इससे पहले एक शख्स ने ठेके तक जाने के लिए उनसे मदद मांगते हुए कहा था, ‘सोनू भाई मैं अपने घर में फंसा हुआ हूं. मुझे ठेके तक पहुंचा दो.’ इसके जवाब में सोनू सूद ने जवाब में कहा था कि भई ठेके से घर तक पहुंचाना हो तो बता देना.

मूर्ति बनवाने की तैयारी पर सोनू सूद ने ऐसे समझाया

हाल ही में एक शख्स ने सोनू सूद की दरियादिली से खुश होकर ट्वीट किया. शख्स ने उन्हें बताया कि वो जिस तरह काम कर रहे हैं, उससे खुश होकर लोग बिहार के सिवान जिले में उनकी मूर्ति बनवाने की तैयारी कर रहे हैं. इस पर सोनू सूद ने उस शख्स को रिप्लाई करते हुए कहा, ‘भाई उस पैसे से किसी गरीब की मदद करना.’ सोनू सूद के इस जवाब पर भी लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं.

सोनू को रोज लोग कई ट्वीट कर रहे हैं और मदद की गुहार लगा रहे हैं, ऐसे में सोनू सूद हर संभव इन लोगों की व्यक्तिगत तौर पर मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने इनकी मदद के लिए एक टोल फ्री नंबर साझा किया है. इस बाबत सोनू ने एक ट्वीट करके जानकारी दी है. इस ट्वीट में उन्होंने लिखा, ‘मेरे प्यारे श्रमिक भाइयों और बहनों. अगर आप मुंबई में हैं और अपने घर जाना चाहते हैं तो कृपया इस नंबर पर कॉल करें 18001213711 और बताएं आप कितने लोग हैं. अभी कहां पर हैं और कहां जाना चाहते हैं. मैं और मेरी टीम जो भी मदद कर पाएंगे हम जरूर करेंगे.’

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने मैट्रिक परीक्षा के बिहार टॉपर हिमांशु राज से मोबाइल फोन पर बातचीत कर मिलने की इच्छा जाहिर की

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने मैट्रिक परीक्षा के बिहार टॉपर हिमांशु राज से मोबाइल फोन पर बातचीत की है. बुधवार की सुबह अचानक हिमांशु राज के मोबाइल पर बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे का फोन आया. फोन हिमांशु ने ही रिसीव किया. हिमांशु ने फोन रिसीव करते हुए जैसे ही ‘हलो’ कहा– उधर से डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने अपना परिचय देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी. डीजीपी ने हिमांशु के पारिवारिक स्थिति के बारे में भी जानकारी ली तथा उन्होंने आश्वासन दिया कि कभी भी किसी भी तरह की कोई जरूरत हो, तो वह सीधे उनके मोबाइल पर फोन कर सकता है.

सरकारी स्कूल में पढ़ा है हिमांशु

डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे के फोन के बाद हिमांशु ने कहा कि उसे बहुत खुशी हुई की खुद डीजीपी सर ने फोन करके उसे बधाई दी. बता दें कि हिमांशु बिहार टॉपर हुआ है तथा 96: से अधिक अंक हासिल किया है. रोहतास जिला के नटवार स्थित राजकीय कृत उच्च विद्यालय तेनुअज का वो छात्र है.

डीजीपी का फोन आने से गदगद है हिमांशु का परिवार

हिमांशु की सफलता पर गांव में खुशी का माहौल है. ऐसे में डीजीपी का फोन आने से हिमांशु का हौसला और बढ़ गया है. साथ ही उनका परिवार भी खुश है. हिमांशु ने कहा कि जिंदगी में कभी सोचा भी नहीं था कि डीजीपी खुद फोन करेंगे, लेकिन आज यह सपना साकार हो गया. हिमांशु ने बताया कि डीजीपी सर ने अपना मोबाइल नंबर भी दिया तथा कहा कि कभी कोई जरूरत हो तो बेझिझक फोन कर सकते हैं. डीजीपी ने हिमांशु से उसके परिवार के बारे में भी जानकारी ली. डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने फोन पर हिमांशु को कहा कि तुमने शाहाबाद का नाम रोशन किया है. अगली बार जब भी कभी रोहतास आएंगे तो हिमांशु के घर जरूर पहुंचेंगे. डीजीपी ने हिमांशु से मिलने की इच्छा जाहिर की.

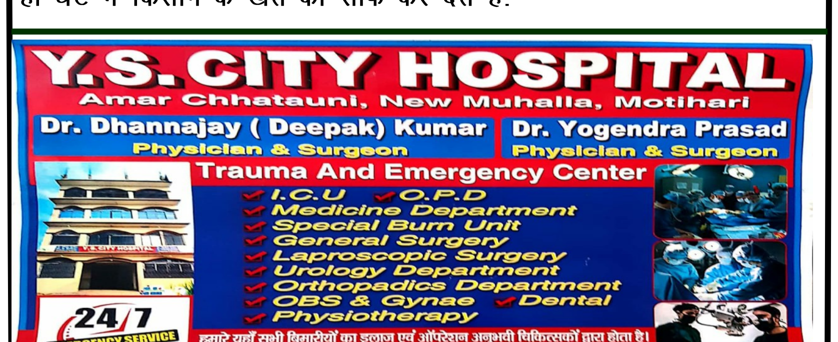

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830